

प्रथम दिवस आवरण FIRST DAY COVER



नई दिल्ली 110001 NEW DELHI



हेरिटेज भवन HERITAGE BUILDINGS

HERITAGE BUILDINGS – MUMBAI G.P.O. AND AGRA H.P.O.

India Post has featured some of its landmark post office buildings on postage stamps over the years. This year, India Post celebrates the 100 years of Mumbai G.P.O. and Agra H.P.O. buildings.

Mumbai General Post Office: The earliest records of the existence of Bombay (now Mumbai) General Post Office (G.P.O.) indicate that the post office was located in St. George Fort near Apollo Pier. The building was lost in a fire, following which the G.P.O. moved into another building built for it in 1869. In course of time, the said building became inadequate for the G.P.O. and plan to construct a new building outside the Chhatrapati Shivaji Terminus Station, earlier known as Victoria Terminus Railway Station, was undertaken in 1902. Jhon Begg, Consulting Architect to the Government, designed the G.P.O. building. The construction of the building was completed in March, 1913 and the G.P.O. moved into it in April, 1913.

The Mumbai G.P.O. is built in Indo-Saracenic style with a solid exterior and well ventilated interiors built in local Kurla basalt with dressings of yellow stone from Malad and white stone from Dhrangadhara. The architecture reflects strong influences of Islamic architecture in its skyline dominated by domes and minarets. The monumental structure stretches to a length of 522

feet. The height of the dome is 119 feet. The facade is symmetrical along the central axis, with the centre punctuated by a front porch and capped by a dome. The dome fashioned after the Bijapur dome has a diameter of 65 feet. The building is listed as a Grade-I heritage building in the Heritage Regulation for Greater Bombay, 1995.

Mumbai G.P.O. has come a long way since its birth and has evolved into a modern fully computerized post office representing the changing face of India Post.

Agra Head Post Office: Agra Head Post Office was built in 1913. It is located on the Mall Road of the beautiful cantonment area of Agra.

Agra H.P.O. building, an important landmark of Agra has two beautiful porches on both sides and a 45 feet high dome in the middle of the building. The building also finds a place in the list of Postal Heritage buildings. Keeping with the times, this office is also fully computerized.

Department of Posts is happy to celebrate the 100 glorious years of the post office buildings of Mumbai G.P.O. and Agra H.P.O.

Credits:-

Text : Rashi Sharma
Stamp/FDC : Kamleshwar Singh
Cancellation : Alka Sharma



तकनीकी आंकड़े TECHNICAL DATA

जारी करने की तारीख	:	12 अप्रैल, 2013
Date of Issue	:	12 April, 2013
मूल्यवर्ग	:	500 पैसा, 500 पैसा
Denomination	:	500p, 500p
मुद्रित डाक-टिकटें	:	5.1 लाख प्रत्येक
Stamps Printed	:	0.51 Million each
मिनिचर शीट	:	2.1 लाख
Miniature Sheet	:	0.21 Million
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक
Printer	:	India Security Press, Nasik

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विद्वानिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00

हेरिटेज भवन HERITAGE BUILDINGS



दिल्ली का BROCHURE

हेरिटेज भवन—मुम्बई जी.पी.ओ. और आगरा
एच.पी.ओ.

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय डाक ने अपने कुछ ऐतिहासिक डाकघर भवनों को डाक-टिकट पर प्रस्तुत किया है। इस वर्ष भारतीय डाक मुम्बई जी.पी.ओ. और आगरा एच.पी.ओ. भवनों के 100 वर्ष पूरे होना मना रहा है।

मुम्बई जनरल पोस्ट आफिस : बम्बई (अब मुम्बई) जनरल पोस्ट आफिस (जी.पी.ओ.) के अस्तित्व के पुराने अभिलेख यह दर्शाते हैं कि डाकघर अपोलो स्तंभ के निकट सेंट जार्ज किले में स्थित था। यह भवन आग में नष्ट हो गया था जिसके परिणामस्वरूप जी.पी.ओ. को 1869 में इसके लिए बनाए गए एक अन्य भवन में स्थानांतरित कर दिया गया। समय के साथ-साथ उक्त भवन जी.पी.ओ. के लिए अपर्याप्त हो गया और वर्ष 1902 में छत्रपति शिवाजी टर्मिनस स्टेशन, जिसे पहले विक्टोरिया टर्मिनस रेलवे स्टेशन के नाम से जाना जाता था, के बाहर एक नए भवन के निर्माण की योजना बनाई गई। जी.पी.ओ. भवन का डिजाइन सरकार के परामर्शी वास्तुकार जॉन बेग ने बनाया। भवन का निर्माण मार्च, 1913 में पूर्ण हुआ और जी.पी.ओ. अप्रैल, 1913 में इस भवन में स्थानांतरित कर दिया गया।

मुम्बई जी.पी.ओ. भारतीय — इस्लामी (इंडो-सारासेनिक) शैली में स्थानीय कुर्ला असिताश्म (बसाल्ट) से बनाया गया है जिसमें मलाड के पीत पत्थरों और ध्रंगघर के सफेद पत्थरों से सजावट की गई है तथा यह बाहर से मजबूत एवं अंदर से हवादार है। इसकी ऊपरी वास्तुकला में इस्लामी वास्तुशिल्प की गहरी छाप झलकती है, जिसमें गुंबद और मीनारें शामिल हैं। यह

स्मारक इमारत 522 फुट लंबी है। गुंबद की ऊंचाई 119 फुट है। अग्रभाग केन्द्रीय अक्ष के सममित है और इसके मध्य भाग के समक्ष एक बरामदा है और इसके ऊपर एक गुंबद है। बीजापुर गुंबद की शैली पर आधारित इस गुंबद का व्यास 65 फुट है। यह भवन ग्रेटर बॉम्बे, 1995 के धरोहर विनियम में ग्रेड-I धरोहर भवन के रूप में सूचीबद्ध है।

मुम्बई जी.पी.ओ. में अपनी स्थापना से अब तक काफी प्रगति हुई है और यह भारतीय डाक के बदलते स्वरूप को दर्शाते हुए एक आधुनिक पूर्णतः कम्प्यूटरीकृत डाकघर बन चुका है।

आगरा एच.पी.ओ. : आगरा प्रधान डाकघर का निर्माण 1913 में किया गया था। यह आगरा के खूबसूरत छावनी क्षेत्र की माल रोड पर स्थित है।

आगरा के एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक चिट्ठे आगरा एच.पी.ओ. भवन के दोनों तरफ दो खूबसूरत बरामदे हैं और भवन के बीच में 45 फुट ऊंचा गुंबद है। इस भवन का नाम डाक धरोहर भवनों की सूची में भी शामिल है। समय के साथ चलते हुए यह कार्यालय भी पूर्णतः कम्प्यूटरीकृत है।

डाक विभाग मुम्बई जी.पी.ओ. और आगरा एच.पी.ओ. के डाकघर भवनों के शानदार 100 वर्ष पूरे होने पर समारोह मनाने में प्रसन्नता का अनुभव कर रहा है।

आभार :-

पाठ	: राशि शर्मा
डाक-टिकट /	
प्रथम दिवस आवरण	: कमलेश्वर सिंह
विरूपण	: अलका शर्मा